सांध्य दैनिक
4PM

मन में धीरज रखने से सब कुछ होता है। अगर कोई माली किसी पेड़ को सौ घड़े पानी से सींचने लगे, तब भी फल तो ऋतु आने पर ही लगेगा।
-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 01 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 1 फरवरी, 2022

करहल सीट पर बंपर वोटों से... 2 एमएलसी चुनाव में बाहरियों पर... 3

लीजिए, एक बार फिर मध्यम वर्ग की कोई हैसियत नहीं समझी मोदी सरकार ने

» आयकर में नहीं दी छूट, कॉरपोरेट टैक्स घटाया, 60 लाख नई नौकरियों का होगा सृजन, शुरू होगी 5जी सर्विस

» भारत में जल्द जारी होगा डिजिटल रुपया, क्रिप्टो करेंसी पर देना होगा 30 फीसदी टैक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महामारी और पांच राज्यों में होने जा रहे चुनावों के बीच आज अपना चौथा आम बजट पेश किया। बजट में किसानों, नौजवानों, गरीबों समेत विभिन्न वर्गों के लिए कई ऐलान किए। इनकम टैक्स में कोई छूट नहीं दी गयी है, जिससे मध्यम वर्ग मायूस हुआ है। सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स को 18 फीसदी से घटाकर 15 फीसदी करने का ऐलान किया है। दिव्यागों को भी कर राहत का ऐलान किया गया है। राज्य सरकार के कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा लाभों में मदद करने और उन्हें केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों की कर कटौती की सीमा 10 फीसदी से बढ़ाकर 14फीसदी की जाएगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 80 लाख मकान बनाए जाएंगे। इसके लिए 48 हजार करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है। नल-जल योजना के लिए बजट में 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से रिकॉर्ड खरीदारी की जाएगी। एमएसपी मूल्य का 2.37 लाख करोड़ का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जाएगा। गंगा के किनारों के 5 किमी के दायरे में आने वाली जमीन पर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। ड्रोन के जरिए खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। 60 लाख नई नौकरियों का सृजन होगा। इसके अलावा अगले 5 वर्षों में 30 लाख अतिरिक्त नौकरियां भी मिलेंगी। कौशल विकास कार्यक्रमों को नई सिरे से शुरू किया जाएगा ताकि रोजगार के अवसर बढ़े। बच्चों के पढ़ाई के नुकसान को ध्यान में रखते हुए एक क्लास एक टीवी चैनल की गिनती 12 से बढ़ाकर 200 तक की जाएगी। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा दिया जाएगा। कुल खरीदी बजट में से 68 फीसदी को घरेलू बाजार से खरीदी पर खर्च किया जाएगा। आरबीआई वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल करेंसी जारी करेगा। क्रिप्टो करेंसी और वर्चुअल करेंसी से कमाई पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। साथ ही वर्चुअल निवेश में घाटा होने पर भी टैक्स वसूला जाएगा।

80
लाख घर बनाए जाएंगे पीएम आवास योजना के तहत

क्या महंगा और क्या सस्ता

- कपड़ा, चमड़े का सामान होगा सस्ता
- मोबाइल फोन और चार्जर सस्ता होगा
- हीरे की ज्वेलरी सस्ती होगी
- खेती का सामान सस्ता होगा
- विदेशी मशीनें सस्ती होंगी
- रत्न होंगे सस्ते
- इलेक्ट्रॉनिक आइटम सस्ते होंगे
- जूते-चप्पल सस्ते होंगे
- आर्टिफिशियल गहने महंगे होंगे
- छाते महंगे होंगे
- स्टील सस्ती होगी
- बटन, पैकेजिंग बॉक्स सस्ता होगा

"बजट से भारत को अगले 25 साल की बुनियाद मिलेगी। मौजूदा वर्ष में भारत की आर्थिक ग्रोथ 9.2 फीसदी रहने का अनुमान है, ये बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज़्यादा है। बजट से युवाओं, महिलाओं, किसानों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को लाभ होगा।
निर्मला सीतारमण
केंद्रीय वित्त मंत्री

» सीधे किसानों के खाते में जाएगा एमएसपी मूल्य

» फ्री टीवी चैनल से पढ़ाई, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत पर फोकस

» वित्त मंत्री ने पेश किया बजट, कर्मचारियों को भी दी सौगात

400 नई पीढ़ी की वंदेमातरम ट्रेनें चलेंगी

400 नई जनरेशन की वंदेभारत ट्रेनें अगले 3 साल के दौरान चलाई जाएंगी। 100 प्रधानमंत्री गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल भी इस दौरान डेवलप किए जाएंगे। मेट्रो सिस्टम को डेवलप करने के लिए इनोवेटिव रास्ते अपनाए जाएंगे।

39.44
लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार इस वित्त वर्ष में

प्रमुख घोषणाएं

- डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना व मानसिक समस्याओं के लिए नेशनल टेलीमेंटल हेल्थ प्रोग्राम शुरू होगा।
- 2022-23 के बीच नेशनल हाईवे की लंबाई को 25,000 किमी तक बढ़ाया जाएगा।
- रेलवे छोटे किसानों और छोटे व मध्यम उद्यमों के लिए नए प्रोडक्ट और कुशल लॉजिस्टिक सर्विस तैयार करेगा।
- राज्यों की मदद के लिए 1 लाख करोड़ दिए जाएंगे। इसमें राज्यों को 50 साल के लिए बगैर ब्याज कर्ज भी दिया जाएगा।
- छोटे और लघु उद्योगों को 2 लाख करोड़ रुपये की मदद दी जाएगी।
- आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना को मार्च 2023 तक बढ़ाया जाएगा।
- स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के लिए डिजिटल देश ई-पोर्टल लॉन्च किया जाएगा।
- पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के लिए राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम को पीपीपी मोड में लिया जाएगा।
- अर्थव्यवस्था में कार्बन फुटप्रिंट पहल को कम करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजनाओं में सॉवरेन ग्रीन बांड जारी किए जाएंगे।
- सुरक्षा और क्षमता वृद्धि के लिए 2,000 किमी रेल नेटवर्क को स्वदेशी तकनीक कवच के तहत लाया जाएगा।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को मजबूत करने के लिए नई योजनाएं शुरू होंगी। 5 साल में 6000 करोड़ दिए जाएंगे।
- उदयम, ई-श्रम, एनसीएस और असीम पोर्टल आपस में जुड़ेंगे।

"गरीब को और गरीब बनाने और रोजगार छीन लेने वाला बजट है ये। किसानों की आमदनी कहां दोगुनी हुई। पहले 4 करोड़ घर बोला वो तो बने नहीं अब 80 लाख फिर बोल दिया है।
मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस नेता

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

करहल सीट पर बंपर वोटों से जीत सकते हैं अखिलेश

» जातिगत सियासत समाजवादी के पक्ष में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। करहल विधानसभा सीट पर सपा मुखिया अखिलेश यादव बंपर वोटों से जीत दर्ज कर सकते हैं। क्योंकि मैनपुरी जिले में जातिगत गणित से हर बार करहल की सियासत सपा के अनुकूल रही। इसी के चलते अखिलेश यादव ने अपने लिए इस सीट को चुना था। वहीं भाजपा ने भी पलटवार करते हुए यहां जातिगत कार्ड खेला है। भाजपा के कोर वोट के साथ ही बघेल मतदाताओं को लुभाने के लिए एसपी सिंह बघेल को प्रत्याशी बनाया है। मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा सीट यादव बाहुल्य है।

यहां सर्वाधिक सवा लाख यादव मतदाता हैं। ऐसे में यहां सपा हमेशा जातिगत कार्ड ही खेलती रही। यादव प्रत्याशी को यहां से मैदान में उतारकर सपा यहां जीत हासिल करती रही। बारी जब अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने की आई तो उन्होंने भी इसी गणित के चलते प्रदेश की 403 सीटों में से करहल को ही चुना। भाजपा के पास यहां कोई प्रत्याशी नहीं था। लंबे समय से मंथन कर रही भाजपा ने भी ऐन वक्त पर जातिगत कार्ड खेल दिया। रणनीति के तहत भाजपा ने एसपी सिंह बघेल को मैदान में उतारा है। दरअसल करहल में दूसरे स्थान पर शाक्य मतदाता हैं तो वहीं बघेल और क्षत्रिय तीसरे स्थान पर हैं। शाक्य

और क्षत्रिय मतदाता हमेशा से ही भाजपा का कोर वोटर माना जाता रहा है। वहीं बघेल प्रत्याशी आने से 30 हजार बघेल मतदाताओं पर भी भाजपा की पकड़ बढ़ने की संभावना है। साथ ही ब्राह्मण और लोधी मतदाताओं का समर्थन भी भाजपा जुटाने की कोशिश कर रही है। इसी रणनीति के सहारे भाजपा करहल में सियासत की करवट बदलना चाहती है। करहल पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने के बाद से ही विशेष सीट बन गई थी तो वहीं अब भाजपा से केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल के आने से पूरे प्रदेश की निगाहें इसी सीट पर टिक गई हैं।

करहल के जातिगत आंकड़े

यादव	–	1.25 लाख
शाक्य	–	35 हजार
बघेल	–	30 हजार
क्षत्रिय	–	30 हजार
एससी	–	22 हजार
मुस्लिम	–	18 हजार
ब्राह्मण	–	16 हजार
लोधी	–	15 हजार
वैश्य	–	15 हजार

करहल सीट पर कुल मतदाता

पुरुष मतदाता	–	201394
महिला मतदाता	–	169851
कुल मतदाता	–	371261

अब तक 302 प्रत्याशी मैदान में उतार चुकी आम आदमी पार्टी

» छठी लिस्ट जारी, शिक्षित वर्ग को बढ़ावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने 19 विधानसभा क्षेत्रों से प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। चार क्षेत्रों में प्रत्याशियों में बदलाव किया गया है। घोषित प्रत्याशियों में एक डाक्टर, पांच ग्रेज्युएट, तीन एलएलबी, एक पोस्ट ग्रेज्युएट, नौ प्रत्याशी 12वीं पास हैं। पार्टी ने चुनावी मैदान में सभी वर्गों को समान वरीयता देते हुए सामान्य वर्ग के नौ, ओबीसी तीन, एससी के सात उम्मीदवारों को मौका दिया है।

आम आदमी पार्टी प्रदेश में अब तक 302 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। आम आदमी पार्टी ने चार विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों को बदला है। इनमें बांदा के तिंदवारी से अरुण कुमार शुक्ला को टिकट दिया गया है। पहले यहां से अवधेश कुमार सिंह को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की थी। हाथरस के सिकंदराराव से मनोज यादव अब चुनाव लड़ेंगे।

यहां पहले सुरेश बघेल को उम्मीदवार बनाया था। मऊ की मधुबन सीट से फौजी किशन लाल गौंड चुनाव लड़ेंगे, जबकि पार्टी ने यहां से कमलेश द्विवेदी को प्रत्याशी बनाया था। इसी तरह से सीतापुर के बिसवां से आदर्श कुमार श्रीवास्तव को चुनाव लड़ने के लिए उतारा है। आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनावों को लेकर यूपी में अभी तक 302 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। बहराइच की नानपारा सीट से तनवीर अफसर को प्रत्याशी बनाया है। जबकि फतेहपुर की बिंदगी सीट से विकास त्रिवेदी को टिकट दिया है। फतेहपुर सिटी से बृजभान प्रजापति, हमीरपुर से राजेश कुमार बाजपेई, हमीरपुर की राठ सीट से प्रमोद कुमार, हरदोई के गोपामऊ सीट से रुद्र प्रताप शाही को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसी प्रकार हरदोई के सांडी से एसके वर्मा, जालौन के माधोगढ़ से राम दीक्षित, जौनपुर के जाफराबाद से विजय कुमार पाठक, झांसी की मऊरानीपुर से मोहन लाल, कन्नौज की तिरवां से गीता देवी चुनाव लड़ेंगी। कानपुर देहात के सिकन्दरा नीरज कुमार दीक्षित, कौशाम्बी के चैल से धर्म राज त्रिपाठी, मऊ के महमूदाबाद से अंकित कुमार राव, मिर्जापुर के छानबे से मुन्ना लाल निर्मल, पीलीभीत से बरखेड़ा से आशीष गुप्ता, पीलीभीत के पूरनपुर से कमलेश कुमार, रायबरेली से गौरव सिंह, रायबरेली की ऊंचाहार सीट से राहुल सिंह यादव को टिकट दिया है।

कल यूपी के मतदाताओं को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो फरवरी को सुबह 11 बजे प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा कार्यकर्ताओं को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था पर संबोधित करेंगे। ऑनलाइन होने वाले इस आयोजन के लिए विधानसभा क्षेत्रों में एलईडी स्क्रीन भी लगवाई जाएंगी। साथ ही इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं का पंजीकरण भी किया जाएगा। दो फरवरी को होने वाले पीएम के संबोधन को लेकर स्थानीय स्तर पर भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें विधानसभा में निवास करने वाले सभी राष्ट्रीय, प्रदेश, क्षेत्र, एवं जिलों के पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य, प्रकोष्ठों, विभागों एवं प्रकल्पों के संयोजक, सह संयोजक, मंडल अध्यक्षों के साथ ही भाजपा कार्यकर्ता भाग लेंगे। सांसद, विधायक, नगर निगम तथा नगर पालिका के सदस्य एवं जिला पंचायत के सदस्य भी इसमें शामिल होंगे।

नड्डा तीन और शाह चार को उत्तराखंड आएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के चुनावी समर में भाजपा आज से अपने स्टार प्रचारकों को उतारने जा रही है। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर आज दोपहर से प्रदेश में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करेंगे। तीन फरवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और चार फरवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गढ़वाल और कुमाऊं में चुनावी सभाएं और डोर टु डोर प्रचार करेंगे।

पार्टी के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र भंडारी ने बताया कि हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम विकासनगर और सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के डोर टु डोर कार्यक्रम में भाग लेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर हल्द्वानी में प्रचार का आगाज करेंगे। तीन फरवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तरकाशी में सुबह जनसभा को संबोधित करेंगे और डोर टु डोर प्रचार में भाग लेंगे। दोपहर को वह रामनगर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे और डोर टु डोर प्रचार अभियान में भाग लेंगे। अमित शाह चार फरवरी को पिथौरागढ़ में जनसभा करेंगे। इसके बाद तीन बजे उनकी नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा होगी।

पहला और दूसरा चरण भाजपा के लिए करो या मरो की स्थिति

» दोनों चरणों में विधानसभा की सभी सीटों पर कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। ब्रज में शामिल आगरा, मथुरा और अलीगढ़ सहित 11 जिलों की 58 में 53 सीटों पर 2017 में कमल दल को एतिहासिक सफलता मिली थी। जबकि बसपा और सपा को दो-दो और रालोद को एक सीट मिली थी। इस बार भाजपा के लिए पुराना प्रदर्शन दोहराना एक बड़ी चुनौती है। आगरा की बात करें तो ये पहले चरण में सबसे ज्यादा सीटों वाला जिला है। यहां नौ विधानसभा सीटें हैं। सभी भाजपा को मिली थीं।

मथुरा में पांच सीट हैं, जिनमें चार भाजपा और एक बसपा को मिली थी। अलीगढ़ में सात सीटे हैं सातों भाजपा के पास थीं। बुलंदशहर में सात में से सात और नोएडा में तीन में तीन, गाजियाबाद में पांच से पांच सीटें 2017 में भाजपा को मिली थीं। मेरठ की सात में छह सीट भाजपा और एक सपा को मिली थी। मुजफ्फरनगर की छह में से छह और हापुड़ की तीन में दो भाजपा और एक बसपा को मिली थी। बागपत की तीन सीट में से दो पर भाजपा और एक छपरौली रालोद के खाते में आई थी। शामली में एक सपा व दो भाजपा को मिली थीं। इस तरह पहले चरण में शामिल 58 में 53 सीट भाजपा, दो सपा, दो बसपा और एक रालोद को मिली थी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पहले चरण में आधी सीटों पर विपक्ष से कड़ी टक्कर है।

मोदी लहर में किया क्लीन स्वीप

2017 में मोदी लहर पर सवार भाजपा ने आगरा से लेकर बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद तक क्लीन स्वीप किया था। 2022 में माहौल अलग है। ऐसे में सीटों को बचाए रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक रखी है। पश्चिम में हो रहे पहले चरण के मतदान का असर आगे पूर्वी क्षेत्रों के मतदान पर भी पड़ेगा। इसीलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री सहित तमाम दिग्गज पुराना प्रदर्शन दोहराने के लिए मैदान में मोर्चा संभाले हुए हैं।

कांग्रेस ने दिया टिकट पर चुनाव नहीं लड़ेंगी अमर दुबे की सास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी विधानसभा चुनाव में तीसरे चरण के नामांकन की अंतिम तिथि नजदीक आ चुकी है लेकिन कल्याणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी को लेकर असमंजस अभी खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस ने बिकरू कांड के आरोपित अमर दुबे की सास गायत्री तिवारी को टिकट दिया है लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में नहीं होने से फिर पेंच फंस गया है। अब नामांकन उनकी बेटी नेहा का कराने की तैयारी की जा रही है। नेहा के नाम पर नामांकन फार्म भी लिया गया। कांग्रेस के जानकारों की मानें तो नेहा के नाम पर सिंबल आ जाएगा और मंगलवार को वह पर्चा भरेंगी। बताते चलें कि बिकरू कांड में कुख्यात विकास दुबे के खास गुर्गे व भतीजे अमर दुबे को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। घटना के दो दिन पहले उसकी शादी हुई थी और पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।

एमएलसी चुनाव में बाहरियों पर दांव लगा सकती है भाजपा

सपा से आए आधा दर्जन एमएलसी को टिकट देने की तैयारी

» कुछ सीटों पर मजबूत कार्यकर्ताओं को भी चुनाव लड़ा सकती है पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा दूसरे दलों से आए नेताओं पर दांव लगाने की तैयारी कर रही है। भाजपा ने परिषद में अपना बहुमत हासिल करने के लिए विधान सभा चुनाव के साथ ही परिषद चुनाव की तैयारी तेज कर दी है।

सौ सदस्यों वाली विधान परिषद में अभी भाजपा के 36 सदस्य हैं। भाजपा को उच्च सदन में बहुमत साबित करने के लिए कम से कम 15 सदस्यों की और जरूरत है। परिषद चुनाव विधान सभा चुनाव के बाद होते तो उस समय सत्तारूढ़ दल के लिए राह आसान होती लेकिन दोनों चुनाव साथ होने से सियासी दलों की परेशानी बढ़ गई है। जानकार बताते हैं कि पार्टी के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि परिषद चुनाव मई में होंगे लेकिन अचानक एमएलसी चुनाव की घोषणा से पार्टियां सक्रिय हो गई हैं। स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों में से अभी सपा के पास 30 सीट है। इनमें से सपा एमएलसी घनश्याम सिंह लोधी, दिनेश प्रताप सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, सीपी चंद, रविशंकर सिंह पप्पू, जसवंत सिंह, रमा निरंजन और नरेंद्र सिंह भाटी ने भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सपा से भाजपा में आए इन एमएलसी को इनकी मौजूदा सीट से ही चुनाव लड़ाया जा सकता है। साथ ही हाल के दिनों में सपा, बसपा व कांग्रेस से आए ऐसे नेता जिन्हें विधान सभा चुनाव का टिकट नहीं मिला है उन्हें भी विधान परिषद चुनाव लड़ाया जा सकता है। परिषद चुनाव के लिए सपा-बसपा के कुछ धनाढ्य नेताओं को भी भाजपा में शामिल कराया जा सकता है। भाजपा कुछ सीटों पर अपने मजबूत कार्यकर्ताओं को भी चुनाव लड़ा सकती है।

चार फरवरी को जारी होगी अधिसूचना

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पहले चरण में 29 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 4 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 11 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 3 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। दूसरे चरण में छह सीटों पर होने वाले चुनाव की अधिसूचना 10 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 17 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 21 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 7 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा।

दो चरणों में होंगे चुनाव

निर्वाचन आयोग ने विधान सभा आम चुनावों के साथ विधान परिषद के 36 सदस्यों के चुनाव का ऐलान कर राजनीतिक दलों की चुनौती बढ़ा दी है। एक साथ दो-दो चुनावों का सामना करने के लिए राजनीतिक दल तैयार नहीं थे। प्रदेश में स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित होने वाले 36 सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को समाप्त हो रहा है। इनमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्यों के साथ शहरी निकायों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं। ये चुनाव पिछले वर्ष कराने की अटकलें थीं, जब सदस्यों का कार्यकाल छह महीने बाकी था पर कोविड व अन्य कारणों से संभव नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 3 मार्च को 29 सीटों और दूसरे चरण में 7 मार्च को 6 सीटों के चुनाव के लिए मतदान होगा। दोनों चरणों के चुनाव की मतगणना 12 मार्च को होगी।

रालोद के अभेद दुर्ग में सियासी जंग, किसान आंदोलन का रहेगा असर

छपरौली में रालोद प्रत्याशी ही हासिल करता रहा है जीत

विपक्षी दल को मतदाताओं को लुभाने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में मतदान की तारीखें जैसे-जैसे करीब आती जा रही हैं प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सपा और रालोद गठबंधन के बाद पश्चिमी यूपी में जंग तेज हो गयी है। रालोद के गढ़ छपरौली में भी सियासी जंग तेज है। 1937 से चौधरी चरण सिंह ने छपरौली पर जो वर्चस्व कायम किया, वह अब तक कायम है। तब से अब तक चौधरी चरण सिंह का परिवार या उनके उतारे प्रत्याशी ही इस सीट पर जीतते आए हैं। यानी छपरौली रालोद का अभेद दुर्ग है। 2017 में प्रचंड लहर में भी रालोद के छपरौली से जीते एकमात्र विधायक को अपने पाले में करने के बावजूद भाजपा के सामने यहां के मतदाताओं का दिल जीतने की चुनौती बरकरार है।

इस सीट पर 1.30 लाख जाट मतदाता हैं। जो कैसी भी हवा हो, उसका रुख मोड़ने का माद्दा रखते हैं। रालोद ने इसी सीट से 2002 में विधायक रहे प्रो. अजय कुमार को मैदान में उतारा है तो भाजपा ने चौधरी परिवार के इस अभेद किले को फतह करने की उम्मीद में विधायक सहेंद्र सिंह रमाला को प्रत्याशी बनाया है। सहेंद्र रालोद के चुनाव चिह्न पर 2017 में विधायक बने और बाद में पाला बदल भाजपा में चले गए। पार्टी के

काडर वोट बैंक के साथ मुस्लिम मतदाताओं की जुगलबंदी की उम्मीद में बसपा ने यहां साहिक को उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने डॉ. यूनुस चौधरी पर दांव लगाया है। जाट वोटों में सेंध की उम्मीद में आप ने यहां से राजेंद्र खोखर को मैदान में उतार दिया है। चौधरी नरेंद्र सिंह राणा कहते हैं कि किसान आंदोलन के बाद ही जाट मतदाता एकजुट होने का मन बना चुका था। हालांकि, सपा के साथ टिकट बंटवारे में हुई खींचतान से थोड़ा नाराज है जिससे जाट मतदाता बंटेंगे। पर बड़ा हिस्सा रालोद को ही जाएगा। वहीं गांगनौली के संजीव राठी कहते हैं, बेहतर कानून-व्यवस्था और मोदी-योगी सरकार के कामों की वजह से भाजपा प्रत्याशी सहेंद्र सिंह के साथ लोग जुड़ रहे हैं। फ्री राशन एवं अन्य जनहित से जुड़ी योजनाओं का भी लाभ मिलेगा। वहीं ईश्वर सिंह को लगता है कि सपा के साथ गठबंधन की वजह से इस बार जाट-मुस्लिम गठजोड़ मजबूत हुआ है, जिसका फायदा अजय कुमार को मिल सकता है। छपरौली के ही अशरफ कहते हैं, मुसलमानों को जहां अपना हित दिखाई देगा, वहां वोट करेंगे। जो मुखर हैं, वह अपने हिसाब से समीकरण बताते हैं, वहीं कुछ मतदाता ऐसे भी हैं जो चुप्पी साधे हुए हैं। आखिरी वक्त में चुप्पी साधे मतदाताओं का रुख अहम भूमिका निभाएगा। चौधरी चरण सिंह छपरौली में 1937 से 1977 तक हर चुनाव जीतते रहे। इसके बाद वह केंद्र की राजनीति में पहुंच गए। इस सीट से उनकी बेटी सरोज वर्मा भी 1985 में और बेटे चौधरी अजित सिंह वर्ष 1991 में विधायक चुने गए। एडवोकेट नरेंद्र सिंह भी यहां से पांच बार विधान सभा पहुंचे।

गौरतलब है कि छपरौली में किसान आंदोलन का बड़ा असर है। यहां गन्ना बकाया भुगतान के मुद्दे के साथ ही चौधरी चरण सिंह नहर परियोजना के अधूरे पड़े होने से किसान नाराज हैं। हरियाणा से जोड़ने के लिए यमुना पर पुल यहां की बरसों पुरानी मांग है। वर्ष 2017 में पुल का शिलान्यास तो हुआ पर यह अभी पूरा नहीं हो पाया है।

बड़ौत-बागपत में भी रालोद की परीक्षा

छपरौली से सटी बड़ौत सीट का गठन 2012 में हुआ। 2012 में यहां बसपा ने जीत दर्ज की तो 2017 में भाजपा ने। इस बार भी बड़ौत सीट पर कड़ा मुकाबला है। भाजपा ने यहां विधायक केपी मलिक को ही प्रत्याशी बनाया है तो रालोद ने नए चेहरे जयवीर सिंह तोमर पर दांव लगाया है। बागपत सीट कभी रालोद के खाते में आई, तो कभी उसके हाथ से फिसल गई। बागपत में भाजपा ने विधायक योगेश धामा को ही दोबारा टिकट दिया है तो रालोद ने पूर्व मंत्री कोकब हमीद के बेटे अहमद हमीद को उतारा है। दोनों ही सीटों पर रालोद की परीक्षा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सड़क हादसे और सरकारी तंत्र

सवाल यह है कि यूपी में सड़क हादसों में लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? हादसों में हो रही मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? यातायात पुलिस और अन्य सरकारी मशीनरी क्या कर रही है? सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान बेअसर क्यों हो रहा है? कड़े कानूनी प्रावधानों के बावजूद लोग यातायात नियमों का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं?

कानपुर में एक ई-बस ने कई वाहनों को रौंद दिया। इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि नौ अन्य घायल हो गए। वहीं गोंडा में श्रद्धालुओं को लेकर जा रही पिकअप वैन के खाईं में पलटने से चार लोगों की मौत हो गयी। एक ही दिन में हुए ये दो सड़क हादसे यह बताने के लिए काफी हैं कि सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही मौतों को लेकर न तो सरकारी मशीनरी और न ही वाहन चालक गंभीर हैं। सवाल यह है कि यूपी में सड़क हादसों में लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? हादसों में हो रही मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? यातायात पुलिस और अन्य सरकारी मशीनरी क्या कर रही है? सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान बेअसर क्यों हो रहा है? कड़े कानूनी प्रावधानों के बावजूद लोग यातायात नियमों का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं? क्या जर्जर सड़कें, नशे में वाहन का संचालन और यातायात के नियमों का उल्लंघन बढ़ते हादसों की बड़ी वजह हैं? सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हालात में सुधार क्यों नहीं हो रहे हैं?

प्रदेश में सड़क हादसों और इसमें मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार के तमाम दावों और जागरूकता अभियान के बावजूद स्थितियां बद से बदतर होती जा रही हैं। आए दिन हादसों में लोगों की मौतें हो रही हैं। इसके लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सड़कों की बनावट और यातायात नियमों का उल्लंघन बढ़ते हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। प्रदेश की अधिकांश सड़कों की हालत खस्ता है। शहरों की तमाम सड़कों में गड्ढे बने हैं। यही नहीं कई जगह तीखे मोड़ हैं। इसके कारण सामने से आने वाले वाहन अचानक दिखायी पड़ते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है और वे हादसे का शिकार हो जाते हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क भी पहली बारिश में उखड़ जाती है और उसमें बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं। इन गड्ढों से होने वाले हादसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार राज्य सरकारों को चेता चुका है। बावजूद इसके हालात में सुधार नहीं हुए। मानकों को दरकिनार कर सड़कें बनायी जा रही है। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती नहीं बरती जाती है। लिहाजा चालक शहरों में जहां रेड लाइट को जंप करने से नहीं चूकते हैं वहीं हाईवे पर वे निर्धारित रफ्तार से तेज वाहन चलाते हैं। शराब पीकर वाहन चलाने के कारण भी सड़क हादसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जाहिर है सरकार को चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त करे और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनिर्भरता पर जोर जरूरी

अश्विनी महाजन

महामारी से ग्रसित अर्थव्यवस्था के मद्देनजर गरीब जनता के लिए राहत देते और राजस्व की कमी से जूझते हुए बजट बनाना आसान नहीं है। भारत में कोरोना की तीसरी लहर का असर अपेक्षाकृत रूप से कम ही है। यह बात वित्तमंत्री के लिए राहत का सबब हो सकती है। एक और राहत की बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के हालिया अनुमानों के अनुसार 2021 में भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि नौ प्रतिशत रही और आगामी दो वर्षों में भी यह दर इससे कम नहीं रहेगी। जीडीपी में वृद्धि की यह अनुकूल स्थिति कहीं न कहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की प्राप्तियों में परिलक्षित हो रही है।

पिछले तीन महीने से जीएसटी से कुल प्राप्तियां प्रतिमाह 1.3 लाख करोड़ के आसपास रही हैं, जो अर्थव्यवस्था में उठाव का लक्षण है। प्रत्यक्ष करों की प्राप्तियों में भी लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि की अपेक्षा है। कोरोना काल में आमदनी से अधिक खर्चे की कुछ भरपाई तो इन प्राप्तियों से हो जायेगी, लेकिन अर्थव्यवस्था के लिए अभी बड़े लक्ष्यों की तरफ आगे बढ़ाने की चुनौती है। पिछले लगभग 20-22 वर्षों में विदेशों, खासतौर पर चीन पर निर्भरता के कारण देश की मैन्युफैक्चरिंग बुरी तरह प्रभावित हुई, जिसका प्रभाव रोजगार पर भी पड़ा।

मोदी सरकार द्वारा पहले 'मेक इन इंडिया' और कोरोना काल में 'आत्मनिर्भर भारत' योजना की घोषणा से यह आशा बंधी है कि विदेशों पर निर्भरता कम करते हुए मैन्युफैक्चरिंग में देश आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा। पिछले बजट में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ स्कीम) के अंतर्गत आगामी कुछ वर्षों में दो लाख करोड़ रुपये के प्रावधान की घोषणा की थी। कई उद्योगों को इस योजना में शामिल किया गया है। हाल ही में सरकार ने सेमीकंडक्टर के उत्पादन में प्रोत्साहन के लिए 10 अरब डालर के खर्च की घोषणा की है। सेमीकंडक्टरों के लिए भारत चीन व ताईवान समेत शेष दुनिया पर निर्भर करता है। पिछले कुछ माह में इनकी कमी से देश में ऑटोमोबाइल समेत कई उद्योग प्रभावित भी हुए। ऐसे में मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के हिसाब से बड़े आवंटन करने की जरूरत पड़ेगी।

नये कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसान आंदोलन का तो पटाक्षेप हो गया है, लेकिन इसके साथ ही देश में खेती-किसानी की हालत सुधारने की आवश्यकता भी रेखांकित हुई है। कोरोना काल में बड़ी संख्या में प्रवासी

मजदूरों की गांवों में वापसी से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार सृजन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। समझना होगा कि गांवों में आधे गृहस्थ ही किसान हैं, शेष जनसंख्या भूमिहीन परिवारों की है, जो खेतों में मजदूरी के साथ अन्य गतिविधियों में संलग्न हैं। ऐसे सभी लोगों को लाभकारी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुर्गीपालन, पशुपालन, डेयरी, मशरूम फार्मिंग, मछली-पालन, ग्रामोद्योग जैसी पहलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। देश खाद्यान्न में लगभग आत्मनिर्भर हो चुका है लेकिन अब भी खाद्य तेलों के लिए विदेशों पर निर्भरता है। आज फसल चक्र में बदलाव की जरूरत भी महसूस की जा रही है। ऐसे में किसानों को तिलहन की तरफ अग्रसर करना होगा। उत्पादन इकाइयों में अतिरिक्त रोजगार पर होनेवाले खर्च को आय में से 150 प्रतिशत की कटौती की अनुमति देने से रोजगार सृजन को मदद मिल सकती है। लगभग 1000 उत्पाद, जो पहले लघु उद्योगों के लिए आरक्षित थे, भूमंडलीकरण के दौर में उनकी सूची घटते-घटते शून्य पर आ गयी। इस कारण लघु उद्योगों का पतन तो हुआ ही आयातों पर हमारी निर्भरता भी बढ़ी और रोजगार का भी ह्रास हुआ। लघु उद्योगों के आरक्षण की उस नीति को बहाल करने के साथ लघु व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा उनके निवेश में 25 प्रतिशत की सब्सिड़ी सहायक सिद्ध हो सकती है। पीएलआई स्कीम के इतर उन सभी उत्पादों को, जहां विदेशों पर निर्भरता अधिक है, विशेष प्रोत्साहन की जरूरत होगी। मनरेगा योजना में भी बदलाव करते हुए यदि उसे कृषि और लघु उद्योगों के लिए विस्तारित किया जाए, तो ग्रामीण युवाओं के लिए लंबे समय तक और अधिक लाभकारी रोजगार मिलने के रास्ते खुलेंगे।

पिछले समय में सरकार द्वारा विदेशी मुद्रा को आकर्षित करने के लिए विदेशी निवेशकों को तरह-तरह के प्रोत्साहन दिये गये। इसका कई बार खासा नुकसान भी सहना पड़ा। हालांकि हम गर्व करते है कि कई स्टार्ट-अप यूनिकॉर्न बन गये यानी उनका पूंजीगत मूल्य एक अरब डॉलर से अधिक हो गया, लेकिन जिन विदेशी निवेशकों ने उनमें निवेश किया था, वे इन उद्यमियों को देश से बाहर करने में सफल हो गये, यानी हमारे स्टार्ट-अप फ्लिप होकर भारतीय रहे ही नहीं। शेष स्टार्ट-अप के भी विदेशी हाथों में जाने की आशंका है।

चेहरों पर सिमटती पंजाब की चुनावी जंग

राजकुमार सिंह

पंजाब में विधान सभा चुनाव के लिए मतदान अभी दूर है लेकिन मुफ्त-रेवड़ियों की राजनीति से शुरू हुई चुनावी जंग तेजी से चेहरों तक सिमटती दिख रही है। प्रकाश सिंह बादल परिवार के वर्चस्व वाले शिरोमणि अकाली दल और उसके गठबंधन के चेहरे को लेकर कभी संदेह नहीं रहा। पिछले विधान सभा चुनाव तक बिना घोषणा के भी यह सभी को पता रहता था कि बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ही होंगे। 94 वर्ष की उम्र में प्रकाश सिंह बादल इस बार भी लंबी विधान सभा क्षेत्र से चुनाव तो लड़ रहे हैं, लेकिन पिछले मुख्यमंत्रित्वकाल में ही शिरोमणि अकाली दल की कमान अपने बेटे सुखबीर सिंह बादल को सौंप चुकने के बाद इस बार सत्ता की बागडोर भी उन्हें सौंप उत्तराधिकार की राजनीतिक प्रक्रिया पूरी कर देना चाहते हैं। तीन दर्जन से भी ज्यादा सीटों पर असरदार भूमिका वाले हिंदू मतों के समर्थन के लिए भाजपा से गठबंधन की जरूरत प्रकाश सिंह बादल को भी पड़ती थी। फिर सुखबीर बादल को तो पंजाब की राजनीति में अपनी व्यापक स्वीकार्यता अभी साबित करना शेष है इसीलिए भाजपा से अलगाव के बाद शिरोमणि अकाली दल 25 साल लंबे अंतराल के बाद फिर बसपा से गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरा है।

यह पहेली व्यापक राजनीतिक-सामाजिक चिंतन-मनन की मांग करती है कि उत्तर भारत में दलितों की राजनीतिक अस्मिता की पहचान बन कर उभरी बसपा, देश में सर्वाधिक दलित आबादी (लगभग 32 प्रतिशत) पंजाब में होने के बावजूद, यहां अपनी बड़ी लकीर क्यों नहीं खींच पायी जबकि उसके संस्थापक कांशीराम मूलत: यहीं के निवासी थे? बहरहाल अकाली-बसपा गठबंधन ने ऐलान किया है कि बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री तो सुखबीर बादल ही होंगे, लेकिन दलित और हिंदू समुदाय से एक-एक उपमुख्यमंत्री बनाया जायेगा। अब जबकि उतावले नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कैप्टन अमरेंद्र सिंह को अपमानजनक ढंग से हटाते हुए दलित समुदाय से आने वाले चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बना दिया है, यह देखना दिलचस्प होगा कि अकाली-बसपा गठबंधन का दलित उपमुख्यमंत्री का दांव चुनाव में कितना प्रभावी होगा।

चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह तथ्य बार-बार रेखांकित किया जा रहा है कि पंजाब में सर्वाधिक आबादी होने के बावजूद इससे पहले ज्ञानी जैल सिंह के रूप में सिर्फ एक बार ही दलित को मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि जैल सिंह को मुख्यमंत्री बनाये जाने के वास्तविक कारण पंजाब की तत्कालीन, खासकर कांग्रेसी राजनीति पर करीबी नजर रखने वाले बखूबी जानते-समझते हैं लेकिन कांग्रेस आज चुनाव प्रचार में यह दावा कर ही सकती है कि राज्य में दोनों बार दलित मुख्यमंत्री देने का श्रेय उसे ही प्राप्त है। हालांकि हर दांव के दोनों तरह के परिणाम निकल सकते हैं लेकिन विडंबना देखिए कि कांग्रेस चुनाव प्रचार में दलित मुख्यमंत्री का अपना ट्रंप कार्ड ही खुल कर नहीं चल पा रही क्योंकि चंद महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बनने को आतुर सिद्धू अब मुख्यमंत्री का चेहरा बनने को उतावले हैं।

दरअसल सिद्धू को यह अहसास ही नहीं था कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटवाने में उन्हें इतनी जल्दी सफलता मिल जायेगी वरना वह प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए आलाकमान पर इतना दबाव नहीं बनाते। अब सिद्धू को लगता है कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह की बेआबरू विदाई की पटकथा तो उन्होंने लिखी। तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ समेत तमाम दिग्गजों को विरोधी भी बना लिया, फलस्वरूप मुख्यमंत्री का पद चन्नी की झोली में जा गिरा। न सिर्फ तब जा गिरा, बल्कि पंजाब के राजनीतिक-सामाजिक समीकरण का चुनावी दबाव ऐसा है कि भविष्य में अवसर आने पर उसके फिर उसी झोली में गिरने की प्रबल संभावना है इसलिए अब चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकने से पहले ही सिद्धू की सुई एक बार फिर 'दूल्हा कौन' पर अटक गयी है। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि कांग्रेस के लिए आदर्श स्थिति मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किये बिना ही चुनाव लड़ने की होगी क्योंकि तब उसे दलित मुख्यमंत्री का तो लाभ मिलेगा ही, सिद्धू के चेहरे से जट्ट सिख समुदाय समेत युवा भी आकर्षित हो सकते हैं। लेकिन पंजाब दौरे पर आये पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने की बात कह कर विवाद को नये सिरे से हवा दे गये हैं। सिद्धू बेचैन हैं कि अगर उन्हें चेहरा घोषित किये बिना ही लड़े चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिल गया तो चन्नी के दावे को नजरअंदाज कर पाना मुश्किल होगा, क्योंकि पार्टी उन्हीं के 111 दिन के शासन के आधार पर वोट मांग रही है। चन्नी को भी लगता है कि खुद को चेहरा घोषित करवाने का उनके पास चुनाव पूर्व से बेहतर मौका दूसरा नहीं हो सकता क्योंकि ऐतिहासिक राजनीतिक पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस मौजूदा दलित मुख्यमंत्री को नजरअंदाज करने का जोखिम कम से कम चुनाव के दौरान तो नहीं ही उठायेगी। वहीं आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता में राय शुमारी से जिन भगवंत मान को चेहरा चुनने का दावा किया है, वह भी जट्ट सिख ही हैं। आबादी के आंकड़ों की दृष्टि से यह स्थिति चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन वास्तविकता यही है कि खासकर 1966 में विभाजन के बाद से पंजाब की सत्ता में जट्ट सिख समुदाय का ही दबदबा रहा है। पंजाब के चुनाव में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

ऐसे सजाएं बच्चों का रूम

बेबी का फैसला लेना एक मॉम के लिए बेहद कठिन होता है क्योंकि बेबी होने के बाद एक मॉम पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। मॉम की परवरिश का सबसे खास हिस्सा होता है एजुकेशन। बच्चा अच्छी पढ़ाई करके स्कोर और टैलेंट के दम पर पहचान बनाएगा तो नाम मॉम का ही होता है। बच्चों को एक उम्र पर पढ़ाई के बंधन में बांधने से अच्छा है कि आप उसे बचपन से ही पढ़ाई के माहौल में रखें। इसके लिए खास भूमिका निभाता है बच्चे के कमरे की सजावट। सजावट ऐसी होनी चाहिए जिससे बच्चे का मूड पॉजिटिव बना रहे लेकिन इसी बात को लेकर माता-पिता हमेशा कन्फयूज्ड रहते हैं कि अपने बच्चे के रूम को कैसे डेकोरेट करें। तो चलिए आज इस लेख में आपको बताते हैं कि कैसे बचपन में ही अपने मासूम के रूम को डेकोरेट करें ताकि वो पढ़ाई में आगे जाकर मन लगा सके।

थीम डेकोरेशन

आप थीम डेकोरेशन के जरिए अपने बच्चे की फेवरेट चीज को आधार बनाकर उसके कमरे को सजा सकते हैं। यहां आप उसके फेवरेट कार्टून कैरेक्टर, फल, सब्जी या फिर जू थीम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह काम आपको बच्चे की उम्र का खास ख्याल रखकर ही करना होगा। अगर आपका बच्चा बड़ा है तोआप कार्टून के स्थान पर कोई मोटिवेशनल थीम का प्रयोग करें।

घर को क्लास रूम बनाएं

अपने बच्चे के घर को ऐसे सजाएं जैसे कोई क्लास रूम हो। जिससे कि उसका ध्यान पढ़ाई के तरफ जाए। इसके लिए आप घर की दीवारों पर Alphabates की फोटो भी लगा सकते हैं। घर में जगह-जगह टेडी बियर और कॉर्टून रखने की बजाय ऐसे कॉर्टून रखें जो शब्द बोलते हो। इसके अलावा घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों का चित्र चलाएं और समय-समय पर कहानी के रूप में बच्चे को इनके बारे में बताते भी रहें।

पढ़ाई का बेस्ट तरीका

बच्चे के लिए पौष्टिक खाना भी पढ़ाई जितना जरूरी होता है। आप खाने की टेबल पर बच्चों को फ्रूट्स बॉडी के लिए कितना हेल्दी और जुबां के लिए कितना टेस्टी है इसके बारे में बताएं। फ्रूट्स के नाम बताएं साथ ही उनके फायदे और नुकसान के बारे में बताएं।

क्रिएटिविटी का कमाल

इसके लिए आप बच्चे की मदद बी ले सकते हैं। आप चाहें तो बच्चे के साथ मिलकर कुछ डेकोरेटिव पीस तैयार करके उसे कमरे में सजाएं सकते हैं। जैसे, पेपर इसके अलावा कार्ड से तैयार होने वाले एनिमल या फिर उनका कोई फेवरेट कार्टून भी तैयार कर सकते हैं। बच्चे के बर्थडे पर खुद से कार्ड तैयार करके उनके कमरे की वॉल पर सजा सकते हैं जिसे देखने के बाद वो हमेशा खुश रहेगा।

इसका रखें खास ध्यान

अगर आप बच्चे का कमरा डेकोरेट कर रहे हैं तो उसकी पसंद के बारे एक बार जरूर बात करें। कमरा डेकोरेट करते समय किसी भी नुकीली वस्तु का इस्तेमाल न करें। इससे आपके बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है। अपका बच्चा चोटिल हो भी सकता है। कमरे को अलग लुक देना चाहते हैं तो इसके लिए बाजार में मिलने वाले डिफरेंट शेप्स के फर्नीचर का इस्तेमार करें। इससे कमरे को शानदार लुक मिलेगा। बच्चे के कमरे में कांच से बनी हुई चीजों का प्रयोग न करें। ऐसा करना बच्चे के लिए खतरनाक हो सकता है, उसको चोट भी पहुंच सकती है।

हंसना मना है

लड़की: तुम्हारा शिक्षण क्या है? हिंदी में बताओ। लड़का: नेत्र चाय नेत्र। लड़की : अब, ये क्या है ? लड़का : आई टी आई। लड़की कोमा में ।

सौरव पेड़ पर उल्टा लटका हुआ था, सिद्धार्थ ने पूछा: क्या हो गया? सौरव: कुछ नहीं, सिर दर्द की गोली खाई है, कहीं पेट में न चली जाए!

बीवी : सुनो जी, जब हमारी नयी-नयी शादी हुई थी तो जब मैं खाना बना कर लाती थी तो तुम खुद कम खाते थे, मुझे ज्यादा खिलाते थे। रवि: तो? बीवी: अब ऐसा क्यों नहीं करते ? रवि: क्योंकि अब तुम अच्छा खाना बनाना सीख गयी हो?

रामू एक दुकान में गया। रामू : 2 BHK का क्या भाव है? दुकानदार: ये रेडीमेड कपड़ों की दुकान है.. रामू: लेकिन बाहर तो लिखा है Flat 70% Off"..दुकानदार कोमा में है।

सोनू : पापा तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है? पापा: बेटा तू तो करोड़ों का है... सोनू: तो उसी करोड़ों में से 25000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है! फिर पापा ने सोनू पर चप्पलों की बरसात कर दी और खूब धोया ।

कहानी — ईमानदार लकड़हारा

किसी गांव में मंगू नाम का एक लकड़हारा रहता था। वह बेहद गरीब लेकिन स्वभाव से ईमानदार था। वह जंगल से रोज लकड़िया काटकर लाता और उन्हें बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। इसी तरह उसका समय गुजर रहा था। हर बार की तरह वो एक दिन जंगल में लकड़ियां लेने गया और नदी किनारे एक बड़े से पेड़ पर चढ़कर लकड़िया काटने लगा। वो पेड़ से लकड़ियां काट ही रहा था कि तभी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर नदी के गहरे पानी में जा गिरी। एकाएक इस घटना से मंगू स्तब्ध रहा गया और फिर दु:खी होकर रोने लगा क्यूंकि उसके पास सिर्फ वो लोहे की एक ही कुल्हाड़ी थी और अब वो भी नदी में गहरे पानी में गिर गयी। अब उसके बिना वो कैसे लकड़ियां काटेगा और ऐसे हालत में तो वो और परिवार भूखों मर जायेगा। ये सोच सोचकर मंगू जोर-जोर से रोने लगा। तभी नदी में से जल देवता प्रकट हुए और मंगू से उसके रोने का कारण पूछा। मंगू ने जल देवता को अपनी सारी बात बताई। तो जल देवता ने कहा कि मंगू तुम चिंता मत करो। मैं अभी तुम्हारी कुल्हाड़ी पानी में से ढूंढकर बाहर लाता हूं। ये कहकर जल देवता ने पानी में डुबकी लगायी और अपने साथ चमचमाती एक चांदी की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आये। जल देवता ने मंगू से कहा कि मंगू ये लो तुम्हारी कुल्हाड़ी। तो मंगू ने चांदी की कुल्हाड़ी देखकर कहा कि नहीं भगवन ये मेरी कुल्हाड़ी नहीं हैं। ये सुनकर जल देवता फिर से पानी में गए और इस बार वे सोने की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आये और बोले: मंगू ये लो आखिर तुम्हारी कुल्हाड़ी मिल ही गयी। इस बार भी मंगू में यह कहकर मना कर दिया कि वह सोने की कुल्हाड़ी उसकी नहीं है। तो एक बार फिर जल देवता ने पानी में डुबकी लगायी और अबकी बार वो अपने साथ एक लोहे की कुल्हाड़ी लेकर आये थे। ये देखकर मंगू खुशी से बोल उठा: हां भगवन! ये ही है मेरी कुल्हाड़ी। मंगू की इस ईमानदारी को देखकर जल देवता बेहद प्रसन्न हुए और कहा: मंगू मैं तुम्हारी ईमानदारी से बेहद प्रसन्न हूं इसलिए अब ये तीनों कुल्हाड़ियां उपहार स्वरूप मैं तुम्हे ही देता हूं। लो इन्हें स्वीकार करो। और सदा सुखी रहो। और ऐसा कहकर जल देवता गायब हो गये। अब मंगू अपने घर वापस आ गया और अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी जीवन व्यतीत करने लगा।

इस कहानी से शिक्षा: हर व्यक्ति को उसकी ईमानदारी का उचित फल अवश्य मिलता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष अविवाहित लोग प्रेमी को समय देंगे। आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। आज आपका मन उत्साहित रहेगा। आज पार्टनर से मिलने के लिए बेताब रहेंगे।

वृषभ वाणी पर संयम रखें। प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपसे ज्यादा उम्र का कोई व्यक्ति आपकी ओर अट्रैक्ट हो सकता है। मन में प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। आज पार्टनर से बहस करने से बचें। प्रेमी से शारीरिक सुख मिल सकता है।

कर्क शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। प्रेमी की सेहत का ख्याल रखें। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है।

सिंह आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल हो सकती है। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। आज नए रिश्ते में व्यस्त रहेंगे। आज पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है।

कन्या किसी बात को लेकर पार्टनर से झगड़ा हो सकता है लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा। पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें।

तुला पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की ओर आप आकर्षित हो सकते हैं। अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है।

वृश्चिक आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। आज आप किसी की ओर आकर्षित हो सकते हैं। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है। अपनी भावनाएं ना थोपें।

धनु पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। आज के दिन आप खुश रहेंगे। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं।

मकर आप जितना सहज और सच्चे रहेंगे उतना ही लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। प्रेमी की आज कोई बात परेशान कर सकती है, जिससे आप निराश रहेंगे। अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें सफलता मिलेगी। कुंभ राशि के जातक किसी दोस्त की ओर आकर्षित होंगे। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा।

मीन प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता करेंगे। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है।

बिग बॉस 15 की विनर बनी तेजस्वी प्रकाश

बधाईयां जी बधाईयां! महीनों के संघर्ष के बाद आखिरकार तेजस्वी प्रकाश शो की विनर बन ही गई। टॉप 3 में पहुंचने के बाद तेजस्वी ने करण कुंद्रा और प्रतीक सहजपाल को हरा कर बिग बॉस 15 की ट्रॉफी पर बाजी मार ली। बिग बॉस 15 तेजस्वी के लिये काफी लकी रहा। तेजस्वी ने न सिर्फ 40 लाख रुपये की प्राइज मनी जीती बल्कि उन्हें नागिन 6 में काम करने का ऑफर भी दिया गया। फिनाले में टॉप 2 में तेजस्वी और प्रतीक के बीच कड़ी टक्कर थी। शो में मौजूद सभी लोग प्रतीक को विनर मान रहे थे। यहां तक

बॉलीवुड | मसाला

सोशल मीडिया पर भी प्रतीक के नाम की चर्चा थी। पर इस बार की ट्रॉफी तेजस्वी के नाम लिखी थी इसलिये उन्होंने फाइनल मुकाबले में प्रतीक को हरा कर चमचमाती ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया ।

तेजस्वी ने शो जीतने के बाद शेयर की पैरेंट्स के साथ पहली तस्वीर

बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीतने के बाद तेजस्वी प्रकाश ने पेरेंट्स के साथ पहली तस्वीर शेयर की है। ब्लैक ड्रेस में बिग बॉस की ट्रॉफी लिये तेजस्वी पेरेंट्स के साथ काफी खुश नजर आ रही हैं। ऐसा लग रहा है कि जैसे उन्होंने अपने पेरेंट्स का सपना सच कर दिखाया।

कौन हैं तेजस्वी प्रकाश

बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीतने से पहले तेजस्वी प्रकाश ने कलर्स के शो स्वरागिनी में लीड रोल प्ले किया था। इस शो ने उन्हें एक पहचान दी। इसके बाद वो रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में नजर आईं। शो में वो अच्छा कर रहीं थीं, लेकिन विनर बनने से रह गईं थीं। खतरों के खिलाड़ी के बाद तेजस्वी ने बिग बॉस में एंट्री ली और जीत कर ही बाहर निकलीं।

प्रतीक और तेजस्वी से हारे करण

करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश और प्रतीक सहजपाल के साथ टॉप 3 में थे। दिलचस्प बात ये है कि टॉप 3 में पहुंच कर प्रतीक सहजपाल करण कुंद्रा को हराने में कामयाब रहे। कम वोटों के आधार पर करण कुंद्रा टॉप 2 में अपनी जगह नहीं बना पाये।

पुष्पा ने 6 हफ्तों में तोड़ दिया बाहुबली का रिकॉर्ड

अल्लू अर्जुन की पुष्पा सुपरडुपर हिट फिल्मों में एक रही। इसने न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी खूब नाम कमाया। सुकुमार द्वारा डायरेक्टेड इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस भी पर खूब धमाल मचा रखा है। 17 दिसंबर को थिएटर्स यह हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज हुई थी लेकिन इसे तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी डब किया गया था। नतीजा ये है कि इसने कमाई के मामले में प्रभास और एस एस राजामौली की फिल्म बाहुबली को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बना लिया है।

दरअसल, फिल्म की कहानी के साथ-साथ एक्टिंग, डायलॉग्स और इसके गाने सब हिट हुए। साउथ सिनेमा की सबसे पसंद की जाने वाली फिल्मों की लिस्ट में इसने टॉप पर अपनी जगह बना ली है। और यही वजह है कि इसने छह हफ्ते में ही बाहुबली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म ने अब तक 6 करोड़ रुपये कमा लिए हैं जबकि प्रभास की फिल्म ने अपनी रिलीज से 6 हफ्तों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर 5.38 करोड़ का ही कलेक्शन किया था।

बता दें कि फिल्म के गानों पर आए दिन रील्स भी बनाए जा रहे हैं। सामंथा के गाने 'Ohh Antava' हो या फिर रश्मिका मंदाना का 'Sami-Sami' या फिर अल्लू अर्जुन का गाना 'Srivalli', क्रिकेटर से लेकर बॉलीवुड और टॉलिवुड ऐक्टर-ऐक्ट्रेस तक सभी इन गानों पर ठुमके लगाते दिखाई दे रहे हैं। वैसे इसका दूसरा पार्ट भी जल्द ही दर्शकों के सामने होगा। खबरों की मानें तो Pushpa w: The Rule का प्रोडक्शन अप्रैल, 2022 से शुरू भी हो जाएगा।

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी फिल्म देखने के बाद फिरोज खान के आंखों में आ गये थे आंसू : उर्मिला

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर का कहना है कि फिल्म रंगीला की सफलता के बाद उन्होंने अपने करियर में एक ही तरह की भूमिकाएं करने के बजाय विविध भूमिकाएं चुनीं। यह बात उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कही है। इस साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि कैसे दिवंगत अभिनेता फिरोज खान और बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने उनके परफॉर्मेंस की प्रशंसा की थी। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कहा कि प्यार तूने क्या किया फिल्म के आखिरी दृश्य से फिरोज खान की आंखों में आंसू आ गए थे। इस फिल्म को देखने के बाद फिरोज खान ने उनसे क्या कहा था उर्मिला ने इसका भी खुलासा किया।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें अमिताभ बच्चन से एक प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ था। उर्मिला का कहना है कि उन्हें सत्या और कौन जैसी जोखिम भरी फिल्मों के खिलाफ चेतावनी दी गई थी। हालांकि, वह 25 और रंगीला फिल्म करने के बजाय विभिन्न भूमिकाओं और शैलियों के साथ प्रयोग करना चाहती थीं। उन्होंने कहा, कुछ अभिनेत्रियों ने एक अभिनेता के साथ फिल्म के बाद फिल्म की। यदि आप बेहतर नहीं जानते तो आप फिल्मों का नाम नहीं बता पाएंगे क्योंकि उन्होंने एक ही कपड़े पहने थे। उर्मिला ने कहा कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में हर बार कुछ अलग करने की कोशिश की। गौरतलब है कि अभिनेत्री उर्मिला ने रंगीला, सत्या, जुदाई, भूत और पिंजर जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

अजब-गजब | तस्वीरें देख हैरत में पड़े लोग, अजीबो-गरीब है इसके पीछे की वजह

रूस के साइबेरिया में हो रही काली बर्फबारी

सर्दी के दौरान देश-दुनिया में बर्फ गिरने की कई खबरें सामने आती हैं। फोटो और वीडियो में कई शहर सफेद बर्फ से ढके हुए नजर आते हैं। कई लोगों ने बर्फ गिरते हुए खुद देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी काली बर्फबारी होने के बारे में पढ़ा या सुना है। यह जानकर आपको अजीब लग रहा होगा लेकिन रूस के एक इलाके में काली बर्फबारी लोगों के लिए मसीबत बन गई है।

रूस के साइबेरिया से अजीबोगरीब बर्फबारी की तस्वीरें सामने आई हैं। साइबेरिया के एक सुदूर गांव में काली बर्फबारी हो रही है जिसकी वजह लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनको प्रदूषण की मार झेलनी पड़ रही है। उनका कहना है कि प्रदूषण की वजह से सफेद बर्फ की जगह काली बर्फ गिर रही है। वहां के लोगों का कहना राख और काली बर्फ से ढके खेल मैदानों में उनके बच्चे खेलने को मजबूर हैं।

साइबेरिया के इस इलाके में काली बर्फबारी की वजह कोयले से फैलने वाला प्रदूषण है। यहां पर लोगों को गर्मी प्रदान करने के लिए कोयले से जलने वाले गर्म पानी का प्लांट हैं जिससे इसकी धूल से प्रदूषण बढ़ गया है। तस्वीरों में यहां पर हो रही काली बर्फबारी को देखा जा सकता है। एक शख्स ने साइबेरिया के ओमसुचन गांव का वीडियो शेयर किया है और कहा है कि

यहां पर काली बर्फ जमी हुई है जिसमें हमारे बच्चे खेलने के लिए मजबूर हैं।

जानिए क्यों हो रही काली बर्फबारी

स्थानीय लोगों का कहना है कि सोवियत यूनियन के समाप्त होने के बाद भी यहां पर कुछ बदलाव नहीं हुआ है। यहां पर पहले जैसे ही हालात हैं। अधिकारियों का कहना है कि ओमसुक्रन और सेमचन में कोयला से चलने वाले गर्म पानी के प्लांट की वजह से काली बर्फबारी हो रही है। गर्म पानी के प्लांट यहां पर घरो के लिए एक हीटिंग स्रोत हैं। यहां पर सोने और कोयले की खदाने हैं।

इस वजह से बढ़ रही समस्या

साइबेरिया के इस इलाके में जनवरी के महीने में तापमान -50 डिग्री के नीचे तक पहुंच गया जिसकी वजह से यहां पर बड़ी मात्रा में कोयला जलाना पड़ा। इसके कराण इस इलाके में बर्फ के ऊपर कालिख जम गई है। अधिकारियों का कहना है कि ताप संयंत्रों को बिजली देना जरूरी है ताकि लोगों के घर को गर्म रखा जा सके। यह देखकर लगता है कि धुएं को इकट्ठा करने वाले उपकरण ताप संयंत्रों में ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इसकी वजह से यहां के लोग प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।

रातोंरात लोगों ने खाली कर दिया था ये शहर सौ साल के बाद दिखायी दी अंदर की दुनिया

एक ऐसा शहर जहां इंसान नहीं रहते, एक ऐसा शहर जहां न तो पोस्टऑफिस है, न पानी है, न बिजली है फिर भी वहां रहते हैं कुछ ऐसे लोग जिन्हें इसकी कोई ज़रूरत भी नहीं। उन्हें हवा, पानी, बिजली, दुकान, राशन, गाड़ी किसी की ज़रूरत नहीं है। वे तो बस आराम फ़रमाते हैं और दूसरों के आराम में खलल डालते हैं। बात हो रही है भूतिया शहर की। टेक्सास का बार्टलेट शहर भूतिया शहर के नाम से जाना जाता है। शोधकर्ताओं के मुताबित 100 साल पहले ही शहर वीरान हो गया। अब जाकर इसकी कुछ पुरानी तस्वीरें सामने आई हैं। जिनमें इस शहर की डरावनी झलक साफ देखी जा सकती है लेकिन चौंकाने वाली बात तो ये है कि कभी बेहद व्यस्त रहने वाले इस शहर में भूतों का बसेरा कैसे हुआ। आखिर वहां ऐसा क्या हुआ था जिससे लोगों के मन में भूत-प्रेत का डर बैठ गया। इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं हैं। बार्टलेट का ये वीरान, निर्जन शहर टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन के नॉर्थ में एक घंटे की दूरी पर है। तकरीबन 1600 लोगों के रहने वाला एक शहर जो अब वीरान पड़ा है। पिछले 100 सालों में यहां की तस्वीर बिल्कुल नहीं बदली। 1929 से 1933 के बीच धीरे-धीरे यहां के लोगों ने यहां से पलायन शुरु कर दिया। यहां न आय का कोई साधन बचा था। न जीने के लिए ज़रूरी मूलभूत व्यवस्थाएं थी। थी तो बस भुखमरी और अकाल संकट। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस शहर को न जाने ऐसा क्या हो गया कि आजीविका के लिए शुरु किए जाने वाले हर उद्योग धंधे बंद होने लगे। आसपास कोई सुविधा नहीं। ऐसे में लोगों के सामने रोज़गार का बड़ा संकट होने लगा। परिवार तिल-तिल कर मरने को मजबूर होने लगे तो लोगों को पास यहां से पलायन के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा। इस शहर की तस्वीरें निकालने वाले फोटोग्राफर का दावा है कि वो पूरी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे 16 भूतिया शहरों की तस्वीरें निकाल चुका है। खाली पड़े इस शहर को अब फिल्म के सेट तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। यहां कई टीवी शोज़ और फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है।

श्रद्धालुओं ने संगम में लगायी डुबकी कोरोना प्रोटोकॉल की उड़ी धज्जियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर आज प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगायी और दान-पुण्य किया। स्नान के लिए लाखों श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा। हर डगर, हर राह पर बच्चे, युवा व बुजुर्गों की लंबी कतार लगी रही। इस दौरान कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ती रहीं।

मौनी अमावस्या

- **घाटों पर उमड़ी लाखों की भीड़, लोगों ने किया दान-पुण्य**
- **बिना मास्क के नजर आए लोग, सोशल डिस्टेंसिंग का भी नहीं हुआ पालन**

माघ मास की अमावस्या के मौके पर रात 12 बजे के बाद से स्नान का सिलसिला आरंभ हो गया। हालांकि माघ मास की अमावस्या तिथि सोमवार की दोपहर 1.27 बजे लग गई थी। लिहाजा स्नान का सिलसिला कल दोपहर से ही शुरू हो गया था। कड़ाके की ठंड में भक्तिभाव से ओत-प्रोत होकर लोगों ने स्नान-ध्यान किया। मौनी अमावस्या पर स्नान के बाद दान करने का विशेष महत्व है। इसी कारण स्नान के बाद लोग तीर्थ पुरोहितों को तिल के लड्डू, तिल, तिल का तेल, वस्त्र, आंवला आदि का दान किया। हर जगह सिर्फ भीड़ ही भीड़ दिखी। हर तरफ बच्चे, नौजवान व बुजुर्गों की लंबी लाइन लगी है। घाटों पर भारी भीड़ है। प्रशासन ने दावा किया था कि कोरोना प्रोटोकॉल का शत प्रतिशत पालन कराया जायेगा लेकिन प्रशासन के सारे दावे फेल नजर आये। श्रद्धालु बिना मास्क के नजर आए और दो गज की दूरी भी कहीं नहीं नजर आई। मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन को भी अलर्ट मोड में कर दिया गया है। कमिश्नर, जिलाधिकारी और एसएसपी ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं को देखते नजर आये। चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बल के जवाब तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो और उन्हें इधर-उधर भटकना न पड़े, इसको लेकर सख्त दिशा-निर्देश हैं। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री का कहना है कि लगभग एक करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना है।

दो व्यापारियों की कार से मिले 38 लाख रुपये, जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आचार संहिता लागू होने के बाद से पुलिस सड़कों पर अलर्ट दिख रही है। नाका पुलिस ने चौराहे के पास वाहन चेकिंग के दौरान सोमवार देर शाम गाजियाबाद के इलेक्ट्रानिक्स व्यवसायी विवेक तुलसियानी की कार से 30 लाख, पांच हजार बरामद किए। वहीं, ठाकुरगंज पुलिस को भुंहर पुल के पास चेकिंग के दौरान आलमबाग के व्यवसायी मुकेश कुमार की कार की तलाशी में आठ लाख 50 हजार रुपये मिले हैं। दोनों ही व्यवसायी रुपयों से संबंधित दस्तावेज पुलिस को मुहैया नहीं करा पाए हैं। पुलिस ने रुपये सीज कर दिए। फ्लाइंग स्क्लायड और आयकर विभाग की टीम जांच कर रही है। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि चेकिंग के दौरान विवेक तुलसियानी की कार से एक बैग में 30 लाख पांच हजार बरामद किए गए हैं जबकि ठाकुरगंज पुलिस ने भुंहर पुल के पास चेकिंग के दौरान आलमबाग विराटनगर के रहने वाले व्यवसायी मुकेश कुमार की कार से 8.50 लाख रुपये बरामद किए हैं।

सीएम चन्नी की मुश्किलें बढ़ीं, अवैध खनन मामले में जांच के आदेश

- **राज्यपाल ने डीजीपी को उच्चस्तरीय जांच का जिम्मा सौंपा**
- **आप नेता राघव चड्ढा की शिकायत पर हुई कार्रवाई**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब मामलों के सह प्रभारी राघव चड्ढा द्वारा दी गई शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रदेश के डीजीपी को अवैध रेत खनन मामले में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ लगे आरोपों की उच्चस्तरीय जांच करने का आदेश जारी किया है।

राज्यपाल के प्रिंसिपल सेक्रेटरी जेएम बालामुरुगन की ओर से पंजाब के डीजीपी वीके भावरा के नाम जारी पत्र में कहा गया है कि आप नेता राघव चड्ढा ने 24 जनवरी को राज्यपाल के समक्ष रखे तथ्यों के आधार पर यह निर्देश दिया गया है। डीजीपी इस मामले में उच्चस्तरीय जांच करें और इस मामले में क्या कदम उठाए गए, इस बारे में राजभवन को जानकारी दें। राघव चड्ढा ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के विधान सभा क्षेत्र चमकौर साहिब और उसके आसपास चल रहे अवैध रेत खनन को उजागर किया था। बाद में इस पूरे मामले में जुटाए सुबूतों को लेकर राघव चड्ढा व अन्य आप नेता पंजाब के राज्यपाल से मिले और उन्हें वस्तुस्थिति की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

पूर्व आईएएस एनपी सिंह डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

समाज सेवा और सृजनात्मक कार्यों के लिए अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर ग्लोबल पीस ने किया सम्मानित

- **एनपी सिंह ने यह उपाधि युवाओं को किया समर्पित**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। समाज सेवा और सृजनात्मक कार्यों के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एनपी सिंह को अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर ग्लोबल पीस ने एक समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। इस मौके पर एनपी सिंह ने कहा कि मैं इस उपाधि को उन सारे युवक, युवतियों और छात्रों को समर्पित करता हूं, जिन्होंने अपने आगे खड़ी सदियों पुरानी वर्जनाओं को पार किया। इन कार्यों में सहयोगी बने सैकड़ों लोग इसके हिस्सेदार हैं।

यूनिवर्सिटी के भारतीय प्रतिनिधि सीएस राव ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में बतौर जिलाधिकारी रहते एनपी सिंह ने खनन माफियाओ पर कड़ी कार्रवाई की थी। 5 मार्च 2017 को न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार के इंटरनेशनल एडिशन में इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। रिपोर्ट को आधार बनाकर यूनिवर्सिटी ने एनपी सिंह के सामाजिक और प्रशासनिक जीवन का अध्ययन किया। अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर ग्लोबल पीस दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को उनके सामाजिक जीवन और सृजनात्मक कार्यों के लिए सम्मानित करती है। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी ने एनपी सिंह के पांच सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें चुना है। प्रदेश के अति पिछड़े जिलों मिर्जापुर और सोनभद्र की सीमा पर एनपी सिंह ने कोल जनजाति के लिए अपने परिवारिक संपत्ति की सहायता से आईटीआई कॉलेज खोला। क्षेत्र में नक्सलवाद पनप रहा था। युवकों को मुख्यधारा में लाने का यह प्रयास सफल रहा। शामली में जिलाधिकारी रहते हुए एनपी सिंह ने अपराध करने के लिए कुख्यात बावरिया समुदाय के लिए काम किया। उन्होंने वर्ष 2013 में इस समाज की 500 युवतियों, महिलाओं और उनके परिवारों को प्रेरित किया। बड़ी संख्या में बावरिया बच्चे आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज में गए। एनपी सिंह ने छत्तीसगढ़ के बालोद, रायपुर और कांकेर जिलों में आदिवासी समुदाय के लिए प्रेरणा केंद्र और वाराणसी के पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए स्कूल खोला। वर्ष 2000 में वे एसडीएम नैनीताल थे, तब नैनी झील संकट में थी। एनपी सिंह ने यहां सेव लेक कैम्पेन चलाया। उत्तराखंड के अखबारों ने एनपी सिंह को नक्खी ऋषि की संज्ञा दी। एनपी सिंह ने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, शामली सहारनपुर और आजमगढ़ जैसे महत्वपूर्ण जिलों में बतौर जिलाधिकारी काम किया।

चुनाव में नहीं चलेगी ठाकुरवाद की राजनीति

जाति को लेकर दिए गए सीएम योगी के बयान पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी पर हमेशा से जातिवादी होने या यूं कहें कि ठाकुरवाद का आरोप लगता रहा है। अब सीएम योगी ने खुले तौर पर कह दिया है कि मुझे अपने क्षत्रिय होने पर गर्व है। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, अजय शुक्ला, 4पीएम के संपादक संजय शर्मा, प्रो. रविकांत, डॉ. सीपी राय और अभिषेक कुमार के साथ लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अशोक वानखेड़े ने कहा क्षत्रिय धर्म में पैदा होना गलत नहीं मगर सीएम के मुंह से यह बात अच्छी नहीं। उन्हें किसने सीएम बनाया जो जातिवाद की राजनीति सरकार में बैठकर करते हैं। राम जी को जोड़ रहे अपने साथ, मगर उनकी पीठ खुद रामजी को नहीं मानती। शीतल पी सिंह ने कहा जाति को लेकर चलेंगे तो विश्व गुरू नहीं बन सकते। संविधान की शपथ ली है तो उस स्तर पर गलती का नतीजा गलत ही निकलता है। योगी मुख्यमंत्री पद की अवहेलना कर रहे हैं। अजय शुक्ला ने कहा अभी योगीराज है। क्योंकि शिव ने कभी नहीं बताया कि वे दलित थे, क्षत्रिय थे या कि क्या थे। हनुमानजी की जाति भी बताई योगीजी ने। अब ये जाति पर राजनीति कर रहे हैं। संजय शर्मा ने कहा संत की कोई जाति नहीं होती क्योंकि वे अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी नहीं गए थे। मगर जब कोरोना हुआ तो वे बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहे थे। ये जो ठाकुरवाद की राजनीति है। ये 2022 में ही नहीं बल्कि 2024 में भी योगी चलाएंगे। प्रो. रविकांत ने कहा सीएम योगी का क्षत्रिय पर गर्व वाले बयान से स्पष्ट है कि वे पूर्ण रूप से ठाकुरवादी है। इसी क्रम में सरकार में नियुक्तियां की गई। मगर सरकार से ठाकुर भी खुश नहीं है। हालांकि स्वाभिमान को लेकर सजग जरूर होगी।

डा. सीपी राय ने कहा सीएम योगी के मुंह से ऐसे बयान शोभा नहीं देते क्योंकि वे पूरे प्रदेश के मुख्यमंत्री है। चुनाव में इसका क्या लाभ मिलेगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

कांग्रेस का चार धाम, चार काम का नारा झूठा: निशंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने चारों धामों के लिए कभी कोई कार्य नहीं किया, वही लोग चार धाम चार काम का झूठा दावा कर रहे हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार ने पांच वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल व संचार इंटर कनेक्टिविटी, रोजगार, पर्यटन लगभग सभी क्षेत्रों में नए आयामों को छुआ है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य की बात करें तो 2017 के 836 करोड़ के मुकाबले आज लगभग 3,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। केंद्र की अटल आयुष्मान योजना के दायरे में प्रदेश के प्रत्येक परिवार को लाकर प्रदेशवासियों की सेहत की चिंता भाजपा सरकार ने की। अब तक चार लाख से अधिक लोग इस योजना का लाभ ले चुके हैं। इसके इलावा एम्स ऋषिकेश के साथ ही श्रीनगर, हल्द्वानी, देहरादून, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज व कुमाऊं में एम्स के सैटेलाइट सेंटर की स्थापना भाजपा सरकारों की ही देन है। उन्होंने कहा प्रदेश की हमारी सरकार ने कोरोना महामारी में बेहतर और शत प्रतिशत टीकाकरण करते हुए लोगों की जान बचाने का काम किया है। कोरोना काल में 15 लाख परिवारों को दो साल तक मुफ्त राशन दिया गया।

लखनऊ कैंट से राजू गांधी, पश्चिम में अरमान और पूर्व में अनुराग भदौरिया सपा प्रत्याशी

» टिकटों को लेकर असमंजस में भाजपा, सीटें अभी क्लीयर नहीं

» सपा ने लखनऊ के छह प्रत्याशियों सहित 10 उम्मीदवारों की घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की 9 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन खत्म होने में महज दो दिन बचे हैं। बसपा और कांग्रेस ने इन सीटों के लिए अपने-अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है, लेकिन बीजेपी ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं। जबकि सपा ने अपने उम्मीदवारों का आज ऐलान कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने आज सुबह लखनऊ के छह उम्मीदवारों सहित कुल 10 प्रत्याशियों की घोषणा की है। लखनऊ पूर्व से पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा को दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है जबकि लखनऊ पूर्वी से पार्टी प्रवक्ता अनुराग भदौरिया पर फिर दांव लगाया गया है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार समाजवादी पार्टी ने लखनऊ के छह उम्मीदवारों की घोषणा की।

प्रत्याशियों में बीकेटी से पूर्व विधायक गोमती यादव, लखनऊ पश्चिम से अरमान, लखनऊ उत्तरी से पूजा शुक्ला को मैदान में उतारा गया है। इसी तरह लखनऊ कैंट से पार्षद राजू गांधी को टिकट दिया गया है। सपा के अनुसार लखनऊ की 9 विधानसभा सीटों में अब तक आठ पर उम्मीदवार उतारे जा चुके हैं। मोहनलालगंज में विधायक अमरीश पुष्कर को टिकट दिया गया है। इसी तरह मलिहाबाद से पूर्व सांसद सुशीला सरोज को मैदान में उतारा गया है लेकिन सुशीला के चुनाव लड़ने पर सस्पेंस बरकरार है। खास बात यह है कि अभी तक सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। बता दें कि 2017 में लखनऊ की 9 सीटों में से बीजेपी ने 8 जीती, जबकि एक सीट पर सपा को जीत मिली थी।

लखनऊ की मोहनलालगंज सीट छोड़कर सभी सीटें बीजेपी के पास है। सपा ने लखनऊ की मोहनलालगंज और मलिहाबाद सीट सहित आठ सीटों का ऐलान किया है जबकि बीजेपी ने किसी भी सीट पर किसी भी नाम की घोषणा नहीं की है जबकि बसपा और कांग्रेस उम्मीदवार चुनावी प्रचार में जुटे हैं। लखनऊ की ज्यादातर सीटें बीजेपी के लिए सुरक्षित सीट मानी जाती हैं। सूबे की योगी कैबिनेट के तीन बड़े मंत्री आशुतोष टंडन, ब्रजेश पाठक और स्वाति सिंह राजधानी से विधायक हैं जबकि दिनेश शर्मा और मोहसिन रजा एमएलसी हैं। इसके बाद भी भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के टिकट को अभी तक फाइल नहीं हो सके हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी लखनऊ में अपने कई मंत्रियों की सीटें बदल सकती है।

बृजेश पाठक को टिकट मिलना तय

पिछली बार लखनऊ मध्य सीट से जीतकर कानून मंत्री ब्रजेश पाठक भी इस बार अपनी सीट बदलने के मूड में है। वो भी कैंट सीट से चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं और अपनी सीट से पत्नी को चुनाव लड़ाने की तैयारी में है। वहीं, लालजी टंडन के बेटे आशुतोष टंडन की सीट बदलने की चर्चा है, लेकिन वो अपनी परंपरागत सीट से चुनावी किस्मत आजमाने के मूड में है।

अरमान खान

अनुराग भदौरिया

रविदास मेहरोत्रा

सरोजनी नगर सीट पर सस्पेंस

राजधानी में सबसे ज्यादा सस्पेंस सरोजनी नगर और लखनऊ कैंट सीट पर है। सरोजनी नगर सीट पर स्वाति सिंह का अपने पति दयाशंकर सिंह के साथ टिकट को लेकर विवाद है। दोनों ही इस सीट पर दावे कर रहे हैं। योगी कैबिनेट के मंत्री के साथ ही सांसद रीता बहुगुणा जोशी भी अपने बेटे मयंक जोशी के लिए लखनऊ कैंट सीट से दावा कर रही हैं। वहीं हाल ही में बीजेपी में एंट्री करने वाली मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव भी इस सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं बीजेपी लखनऊ की विधानसभा सीटों के लिए टिकट नहीं घोषित कर रही है, जिसके चलते पार्टी के दावेदारों की उलझनें बढ़ गई है। लखनऊ कैंट, मोहनलालगंज, बख्शी का तालाब, सेंट्रल लखनऊ, नार्थ लखनऊ, पश्चिमी लखनऊ, पूर्वी लखनऊ, मलिहाबाद और सरोजनीनगर सीट है। बीजेपी से एक-एक सीट पर कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं।

सपा प्रत्याशी अम्ब्रीश सिंह पुष्कर

विधानसभा उम्मीदवार सदफ जफर

कांग्रेस प्रत्याशी अजय श्रीवास्तव उर्फ अज्जू

भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं राजेश्वर!

» ईडी के ज्वाइंट डायरेक्टर राजेश्वर सिंह का वीआरएस मंजूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के ज्वाइंट डायरेक्टर राजेश्वर सिंह की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) की अपील मंजूर हो गई है। राजेश्वर सिंह ने ट्विटर पर इस बारे में लिखा है। उनके ट्वीट के बाद चर्चा है कि वे भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। राजेश्वर ने टवीट किया कि 24 वर्षों का यह कारवां आज एक पड़ाव पर रुक गया है।

मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा वित्त मंत्री सीतारमण, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ईडी के डायरेक्टर एसके मिश्रा तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि इतने वर्षों तक इन संस्थाओं के साथ कार्य करते हुए काफी कुछ सीखने को मिला। मैं आप सभी महानुभावों एवं संस्थाओं को यह विश्वास दिलाता हूं कि आपकी दी हुई शिक्षा का सदुपयोग मैं जनता की सेवा व देश की अखंडता सुरक्षित करने में लगाऊंगा। उन्होंने कहा कि आगे की रणनीति पर बाद में बताऊंगा। ईडी में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद से वीआरएस लेकर जल्द राजनीति पारी की शुरुआत करने वाले राजेश्वर सिंह 1996 बैच के पीपीएस अधिकारी हैं। राजेश्वर उत्तर प्रदेश पुलिस में डिप्टी एसपी रैंक के पद पर तैनात रह चुके हैं, उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के तौर पर भी जाना जाता था। सुल्तानपुर के राजेश्वर सिंह धनबाद में इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स से डिग्री इंजीनियर हैं।

मैनपुरी समाजवादी पार्टी का गढ़ नहीं भाजपा का किला है : केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। केशव ने ट्वीट कर कहा कि मैनपुरी सपा का गढ़ नहीं है, बल्कि भाजपा का किला है।

केशव ने लिखा, मैनपुरी सपा का गढ़ नहीं, भाजपा का किला है। यहां कमल खिलेगा साइकिल पंचर होगी। वहीं इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुबह चार बजे ही सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गए। चार बजकर दो मिनट पर उन्होंने आज का पहला ट्वीट किया। इसमें उन्होंने मौनी अमावस्या की बधाई दी। सीएम योगी ने लिखा कि लोक आस्था के पावन पर्व मौनी अमावस्या की समस्त श्रद्धालुओं व प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान सूर्य के आशीष से सभी के अंतस में तप, बल और ऊर्जा का संचार हो।

सुभासपा का नया चुनावी वादा

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने नया चुनावी वादा किया है। कहा कि अगर उनकी और सपा गठबंधन की सरकार आती है तो स्नातक तक की शिक्षा सभी को मुफ्त मिलेगी। राजभर ने कहा, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली से कोई भी समाज कोई भी देश कोई भी प्रदेश तरक्की नहीं कर सकता है। इसीलिए सुभासपा का संकल्प है की स्नातकोत्तर तक की शिक्षा निःशुल्क होगी एवं सभी को गुणवत्तापूर्ण एक समान शिक्षा दी जाएगी।

पंजाब में आप के बाद कांग्रेस का सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब में सीएम चेहरा के लिए आम आदमी पार्टी के बाद कांग्रेस ने भी पंजाब में मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर लोगों की राय जाननी शुरू कर दी है। इसके लिए प्रदेश के लोगों को फोन भी किए जाने लगे हैं।

पूछा जा रहा है कि आप मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में चरणजीत सिंह चन्नी को देखना चाहते हैं या नवजोत सिंह सिद्धू को। या फिर आप चाहते हैं कि पंजाब में कांग्रेस बिना मुख्यमंत्री चेहरे के ही चुनाव लड़े। लोगों को 1409804440, 1725248211, 1725338250 नंबर से यह काल की जा रही है। कांग्रेस द्वारा करवाए जा रहे सर्वे से साफ है कि मुख्यमंत्री चेहरे की लड़ाई में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ नहीं हैं। कांग्रेस सिर्फ सिद्धू या चन्नी पर ही दांव खेलेगी।

भाजपा को सत्ता से हटाना ही मकसद: स्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा से वाया भाजपा सपा में आए स्वामी प्रसाद मौर्य सियासी सुर्खियों में हैं। प्रतापगढ़ में जन्मे और पडरौना को कर्मभूमि बनाने वाले स्वामी प्रसाद कहते हैं कि बड़ी जंग जीतने के लिए छोटी-छोटी कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। वे कहते हैं, जिस दल के साथ रहते हैं, सरकार उसकी ही बनती है, जिसका साथ छोड़ते हैं, वह सियासी तौर पर तबाह हो जाता है।

उन्होंने कहा कि हमारे साथ जो भी आया है, वह संविधान बचाने और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए आया है। टिकट या चुनाव लड़ने की बात छोटी है। बड़ी लडाई लड़ने के छोटी-छोटी कुर्बानी देनी पड़ती है। समाजवादी लोग कुर्बानी देने में पीछे नहीं रहते हैं। हम और हमारे साथ के लोग हर कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। हमारा सिर्फ एक मकसद है भाजपा को सत्ता से हटाना और समाजवादी सरकार बनाना। उन्होंने कहा कि हमारे साथ इतनी बड़ी संख्या में विधायकों का आना साबित करता है कि लोग भाजपा राज से परेशान हैं और मुझ पर भरोसा करते हैं। मैंने जो भी निर्णय लिया, उसमें उनकी सहमति है। यह भी सही है कि निरंतर साथ रहने वालों के मान-सम्मान पर कभी आंच नहीं आने देंगे।

जंग के लिए कुर्बानी देनी ही पड़ती है

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।